उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब और पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं । वह जवाब अभी आया नहीं है । उनकी कम्प्लेंट है कि जो प्रिविलेज का मसला उन्होंने उठाया था हाउस में, उसका जवाब होम मिनिस्ट्री से आया नहीं है और वह यह चाहते हैं कि उनकी जो डिमांड है उसको आप एक्सीडाइट करें । मैं सोचता हूं कि इस पर आप ध्यान दें कि रिपोर्ट आए । जो भी निर्णय चेयरमैन साहब लेना चाहेंगे वह लेंगे । . . . **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : महोदया, मेरा भी एक प्रिविलेज का इश्यू पेंडिंग है । गृह मंत्री ने सदन में काश्मीर पर वक्तव्य देते हुए सदन के अंदर कहा था कि वहां दो मंदिर टूटे हैं । इस प्रकार की जानकारी दी थी । उसके खिलाफ मैंने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव दिया है कि इससे कई गुना अधिक मंदिर टूटे हैं । लेकिन आज तक गृह मंत्री ने स्वयं जो सदन में बयान दिया था उस पर मैंने जो विशेषाधिकार का प्रस्ताव दिया था, इसका उत्तर मिला नहीं । इसमें एलिस कमिश्नर का सवाल नहीं है । किसी को पकड़ने का सवाल नहीं है । गृह मंत्री के बयान पर मैंने विशेषाधिकार का प्रस्ताव दिया है । मैं चाहता हूं कि आप निर्देश दें कि इस का उत्तर दिया जाए . . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : वह मामला भी, गृह मंत्री जी आप सुनिए कि यहां जो भी रिपोर्ट अगर आनी होगी है तो अगर समय पर आ जाए तो चेयरमैन साहब उस पर कुछ निर्णय ले सकते हैं कि वह ऐक्सेप्ट करनी है या नहीं करनी है । हमारे मैंबर्स की जो सोचने की शक्ति है उसको ध्यान में रखें . . . . **(व्यवधान)**

I have identified some Member. (Please sit down.... *(Interruptions)*...

मैंने बहुत सख्ती से कह दिया । **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन : सोचने की नहीं, सहने की आवश्यकता है । **(व्यवधान)**

उपसभापति : मैं अभी सोच पर पहुंची हूं । **(व्यवधान)**

RE: ALLEGED DEMOLITION OF SOME HOUSES ON DELHI-SURAJ-KUND ROAD

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, कल इस सदन में हमारे दल के नेता श्री यशवंत सिन्हा जी ने दिल्ली बार्डर पर मीठापुर से जो 5 हजार लोगों को बेघरबार कर दिया गया उससे सम्बन्धित मामला उठाया था । उन्होंने सदन में यह भी कहा था कि अगर पांच बजे शाम तक सरकार की तरफ से कोई काम नहीं होगा, कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा तो मैं जाकर उन लोगों के साथ उस खुले आकाश में रहने के लिए तैयार हूं । आपने निर्देश दिया था सरकार को कि सरकार 5 बजे तक कोई ऐसी कार्रवाई करके सदन को बताए ताकि यह घटना फिर दुबारा से न घटे । अब मंत्री जी सर हिला रहे हैं, नहीं, नहीं । उपसभापति महोदया, आपको याद होगा आपने डायरेक्शन दिया था सरकार को कि 5 बजे तक आप इस पर कोई एक्शन लीजिए । कल रात से यशवंत सिन्हा जी वहां पर बैठे हुए हैं । **(व्यवधान)**

उपसभापति : मैंने पांच बजे तक का नहीं कहा था । मैंने यह कहा था सरकार इस पर ध्यान दे क्योंकि लोग बेघर हो गये हैं, बच्चे मर गये हैं । **(व्यवधान)**

श्री दिग्विजय सिंह : यही हम कह रहे हैं सरकार से । **(व्यवधान)**

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, I do not have any details about this issue.

उपसभापति : वह कह रहे हैं दिल्ली का मसला है । **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : दिल्ली के बार्डर पर यह हुआ है । **(व्यवधान)**

SHRI SUKOMAL SEN: (West Bengal) Madam, It is a very serious matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have other matter also. Let me take it up.

श्री दिग्विजय सिंह : सारे हाउस ने यूनेनिमसली इसको कहा था और आपके साथ इन्होंने भी सिर हिलाया था । सरकार अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कर रही है । श्री यशवंत सिन्हा जो दिल के मरीज हैं उनका अभी इलाज चल रहा है और अस्पताल से सीधे जाकर वहां पर बैठे हुए हैं । अगर इस सदन में सरकार का इसी प्रकार का रुख रहा तो हम लोगों के सवाल उठाने का क्या मतलब होता है । आखिर हम जन प्रतिनिधि हैं। हम सरकार के सामने जनता की बात उठाते हैं और सरकार मुस्करा रही है । अगर यही रवैया रहा तो सदन के चलने का मतलब मेरी समझ में नहीं आ रहा है । इसलिए मैं आपसे चाहूंगा अभी आप सरकार से पूछें कि आखिर सरकार इस पर कोई फैसला या कोई एक्शन लेने जा रही है या नहीं लेने जा रही है ? (व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : परसों यह कांड हुआ । 48 घंटे बीत चुके हैं । (व्यवधान) हजारों लोग बेघरबार हो गये हैं । ... (व्यवधान)

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : सरकार इस संबंध में ध्यान दे । (व्यवधान)

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : डिप्टी चेयरमैन साहिबा, मुझे एक गुजारिश करनी है । मेरा कहना यह है कि सब मेम्बर बहुत एजिटेटेड हैं । आखिर किसी किस्म का रिस्पोंस तो सरकार की तरफ से आना चाहिए । एक अजीबोगरीब ...

نیتا ورودھی دل "شری سکندر بخت :- ڈپٹی چیرمین صاحبہ مجھے ایک گذارش کرنی ہے۔ میرا کہنا یہ ہے کہ سب ممبر بہت ایجیٹیڈ ہیں آخر کسی قسم کا ریسپونس تو سرکار کی طرف سے آنا چاہیئے۔ ایک عجیب و غریب ... "

†[ ] Translitration in Arabic Script.

श्री दिग्विजय सिंह : वह मुस्करा रहे हैं ... (व्यवधान)

श्री सिकन्दर बख्त : खुदा करे उम्र भर मुस्कराते रहें । लेकिन हमारा कहना खाली इतना है कि इतना सीरियस सवाल है यह खामोश क्यों है ? हरियाणा की सरकार आकर दिल्ली के गांवों में बुलडोजर चलाये। गांव बिल्कुल उजड़ गये हैं । वहां हमारे माननीय सदस्य बैठे हैं । जैसा इन्होंने कहा सीमांत हैं, कुछ तवज्जो नहीं है और इस वक्त खामोश है इसका मकसद समझ में नहीं आ रहा है । कुछ रिस्पोंस तो आना चाहिए उधर से । खामोश क्यों बैठे हैं मिनिस्टर साहब । कुछ बोलिए साहब ? (व्यवधान)

شری سکندر بخت :- خدا کرے عمر بھر مسکراتے رہیں - لیکن ہمارا کہنا خالی اتنا ہے کہ اتنا سیریس سوال ہے یہ خاموش کیوں ہیں - ہریانہ کی سرکار اگر دلی کے گاؤں میں بلڈوزر چلائے - گاؤں بالکل اجڑ گئے ہیں - وہاں ہمارے مانیہ سدسیہ بیٹھے ہیں - جیسا انھوں نے کہا بیمار ہیں - کچھ توجہ نہیں ہے اور اس قدر خاموش ہیں اس کا مقصد سمجھ میں نہیں آرہا ہے - کچھ رسپونس تو آنا چاہیئے ادھر سے - خاموش کیوں بیٹھے ہیں منسٹر صاحب - کچھ بولئے صاحب ... "مداخلت" ...

श्री दिग्विजय सिंह : हम यहां जनता के प्रतिनिधि हैं या मजाक करने बैठे हुए हैं ? (व्यवधान) तीन बच्चे मर गये हैं, पांच हजार

[†] Translitration in Arabic Script.

लोग बेघर हो गये हैं और सरकार चुप बैठी है । (व्यवधान)

SHRI SUKOMAL SEN : It is a shameful matter. Government is keeping silent over it.

SHRI SIKANDER BAKHT : Do the Ministers know anything about it or not? Please ask them to respond.

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh) : Madam, we have raised it yesterday. Today we are raising it again. The Government cannot maintain stony silence. Many Members are agitated about it.

श्री शंकर दयाल सिंह : गरीबों के घर बुल-डोजर से गिराये जा रहे हैं । इसके बारे में सरकार को यह कहा गया था कि वक्तव्य दे और इस कार्रवाई को बंद कराये । यशवंत सिन्हा जी जो कि इस सदन के एक दल के नेता हैं . . . (व्यवधान) मैं मांग करता हूं सरकार इस पर ध्यान दे ।

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu) : Madam, You should also request the Government to reply to it. They are not answering it. The Chairman should direct the Government to respond to it.

उपसभापति : आपने जो कहा सरकार ने सुन लिया । आप बैठ जाइये । (व्यवधान)

SHRI G. SWAMINATHAN : It is very surprising, Madam, that the Government is not giving ayn answer.

SHRI MENTAY PADMANABHAM : It is under the Delhi Administration. The area falls under the Delhi Administration (*Interruptions*). The lives of innocent people are involved in this matter, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please sit down. (*Interruptions*). One minute. Please sit down. Yesterday, I had made an observation in which I had said it is a serious matter if as Mr. Yashwant Sinha was saying, a few children died of exposure. He had also mentioned that the village is within the Delhi Administration. Because he said that he had seen the documents, that those people have got the ration cards, etc. of the Delhi Administration, I had suggested, I had told the Parliamentary Affairs Ministers to find out. At least we should know whether it is in Haryana or in Delhi. And a Member of our House... (*Interruptions*). Let the Government come forward and tell us whether the village is in Haryana or is in Delhi. It is not difficult to find it out from the Delhi Administration. The Home Minister can find out. You telephone and find out. (*Interruptions*). I am sorry. He is the Parliamentary Affairs Minister. That is my mistake. The Home Minister is a Member of the House. (*Interruptions*). I mean, the Parliamentary Affairs Minister can deal with any department, any department coming under the Government. (*Interruptions*).

SHRI MENTAY PADMANABHAM : Madam, are you still recognising Mr. Jacob as the Home Minister?

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am sorry. Whoever it is, to me, Government is Government. It is the Government which comes to the House whether it is the Home Minister or the Parliamentary Affairs Minister or any Minister. That is not the point. The point here is that yesterday, I have said that the Government should find out about it, whether it is in the Delhi Administration. If it is in the Delhi Administration, the Delhi Administration should do the needful. So, I request the Parliamentary Affairs Minister again to find out.

SMT. MARGARET ALVA : Madam, I do not have any information of what happened yesterday to make a statement.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : This is not the answer. She can go 2,000 kilometres to find out what Jayalalitha is thinking. But she cannot go to Badarpur to find out this.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Because a Member of Parliament is sitting over there, let us find out.

SHRI SUKOMAL SEN : Madam, what is this? They are not responding.

SHRI G. SWAMINATHAN : Madam, we want an answer. (*Interruptions*).

SMT. MARGARET ALVA : Madam, yesterday, you did direct that all that was raised in the House should be conveyed by the Parliamentary Affairs Ministers to the Minister concerned. The report of what happened here has been sent. We have not yet got any report here with which I can make any statement. (*Interruption*).

SHRI SUKOMAL SEN : Why ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let her speak, please.

SHRI DIGVIJAY SINGH : This is not the way of dealing with the important matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not going to permit this kind of behaviour. When the Minister is responding, listen to her.

SMT. MARGARET ALVA : I do not think it has been the normal practice that on every issue raised, every day, a statement has to be made. When information is available to us, we will come before the House. I have no information with me with which I can respond now. (*Interruptions*).

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra) : Madam, I want to raise... (*Interruption*).

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : अब तक 48 घंटे हो गये हैं, कुछ उत्तर नहीं दे रहे हैं .. (**व्यवधान**) ।

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : Sushmaji, what I am raising is also an important matter. (*Interruption*).

श्री दिग्विजय सिंह : यहां पर मंत्री और राज्य मंत्री बैठे हुए हैं ... (**व्यवधान**) । ये यहां चुपचाप बैठी हुई हैं ... (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, यह बहुत गंभीर बात है ... (**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : सरकार इस सदन की अवमानना कर रही है । ... (**व्यवधान**)... सरकार चाहती क्या है ?

श्री शंकर दयाल सिंह : यह कोई जवाब हुआ ? ... (**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह यह जवाब हुआ ? यह जवाब का तरीका है ? ... (**व्यवधान**)...

मैडम होम मिनिस्टर को बुलाया जाये तभी सदन चलेगा नहीं तो नहीं चलेगा । ... (**व्यवधान**) ...

श्री शंकर दयाल सिंह : हां यह चाहते हैं कि आप सरकार को कहें कि सरकार एक घंटे के बाद बयान दे । ... (**व्यवधान**) ... यह क्या तरीका है ? ... (**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : तीन पार्लियामेन्टरी एफियर्स मिनिस्टर बैठे हुए हैं । तीन-तीन बैठे हुए हैं ... (**व्यवधान**) ...

श्री शंकर दयाल सिंह : पार्लियामेन्टरी मिनिस्टर यहां पर गाल पर हाथ धरे बैठी हुई हैं । ... (**व्यवधान**)

उपसभापति : सत्य प्रकाश जी आप बैठिए।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैडम, एक मिनट मुझे दीजिए ।

उपसभापति : माथुर साहब, मैं अलाउ करूंगी । ... (**व्यवधान**) ... आप जरा बैठिए। अभी पार्लियामेन्टरी एफियर्स मिनिस्टर से आपको आश्वासन दिया है । उन्हें समय तो दिया जाय । ... (**व्यवधान**)... वे पता लगाकर बतायेंगी । ... (**व्यवधान**) ...

SHRI MENTAY PADHMANABHAM : Madam, you have made it quite categorical. (*Interruptions*) You were kind enough to make it quite categorical. (*Interruptions*). In spite of your remarks from the Chair, the Government is not responding. This amounts to disrespect to the Chair. (*Interruptions*)

SHRI G. SWAMINATHAN : Madam, you have asked the Minister to lay the information on the Table of the House. She says, it is not possible.

उपसभापति : आप लोग अपनी जगह पर चले जाइए। अपनी जगह पर.... (**व्यवधान**) ...मैंने तो कह दिया था । .... (**व्यवधान**)....

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Madam has already given a ruling. (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, यह यहां से 15 किलोमीटर है । चाहें तो ये बुलडोजर पर भी जा सकते हैं । . . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : प्लीज अपनी जगह पर चले जाइए । . . . (**व्यवधान**) . . . कल हो बोला मैंने । . . . (**व्यवधान**) . . . दीखिए मैंने . . . (**व्यवधान**) . . . .

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, please give a ruling.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Yesterday I gave the direction already. . . (*Interruptions*) I already gave it yesterday. (*Interruptions*)

श्री इंद्र दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : प्रधान मंत्री और होम मिनिस्टर को हाउस में बुला कर उनसे जवाब-तलब किया जाए (**व्यवधान**) (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : I will adjourn the House for 15 minutes and find out. . . . (*Interruptions*) . . . I adjourn the House for 15 minutes and I will find out.

The House then adjourned at twenty-six minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at forty-six minutes past twelve of the clock, The Deputy Chairman in the Chair.

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : थाने में डायरी दीजिए, गृह मंत्री कहां हैं ।

उपसभापति : गृह मंत्री जी की तबियत ठीक नहीं है . . . (**व्यवधान**) एक मिनट मेरी बात सुनिये । मैंने आप लोगों की जो भावना थी उसको सामने रखते हुए--यह मेरा काम नहीं था फिर भी मैंने लेफ्टिनेंट गवर्नर से पूछा । लेफ्टिनेंट गवर्नर साहब इस बारे में पता लगा रहे हैं । जैसे ही इत्तिला देंगे, अगर मुझे देंगे तो मैं खुद हाउस के सामने आकर यह बात बता दूंगी । अब आप बैठ जाइये ।

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh) : What is the Lt. Governor's business ? (*Interruptions*) . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : दो-दो राज्य मंत्री हैं . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : सवाल यह है कि जो समस्या है उसका समाधान हो किसी तरह से भी हो जाए । आपका सैटिसफैक्शन हो जाए ।

That is the main thing, whoever that is. (*Interruptions*) . . .

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : आप फोन करें लेफ्टिनेंट गवर्नर को . . . (**व्यव-**

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, you please take your seats. Let us do our business. Today we have got only 15 minutes. (*Interruptions*) . . . I am not allowing anything. (*Interruptions*) . . .

SHRI DIGVIJAY SINGH :*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing anything. (*Interruptions*) . . . Please, I am not allowing anything to go on. . . (*Interruptions*) . . . It is a matter of Delhi Administration. That is why the Lt. Governor has been asked (*Interruptions*) . . . Please (*Interruptions*) . . . Please take your seats. (*Interruptions*) . . .

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra) : Madam I think this should be taken up first. (*Interruptions*) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : There are other issues. (*Interruptions*) . . . There are other issues also. Let us take them up. (*Interruptions*) . . . There are other issues. (*Interruptions*) . . . Please. (*Interruptions*) . . .

SHRI MENTAY PADMANABHAM : Madam, this is concerning a Member of this House. (*Interruptions*) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : That is the reason why I wen. It is concerning

*Not recorded.

a Member of this House. Taking that into account I adjourned the House and went and found out. That is all. (*Interruptions*) ...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: This is a different point. I am raising an issue about the safety ... (*Interruptions*) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please. (*Interruptions*)... Just a minute. (*Interruptions*)... Please, just one minute.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: A lady Member of this House was threatened. This is a very important issue, Madam. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one minute. (*Interruptions*)... Just one minute. (*Interruptions*)... I am not allowing. (*Interruptions*)... Please sit down. (*Interruptions*)...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam, ... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. Please sit down. (*Interruptions*)... Please. (*Interruptions*)... Please, order (*Interruptoins*)... Please order. (*Interruptions*)... Let there be order in the House. (*Interruptions*)... Your seeking my permission is not enough. (*Interruptions*)... Let me bring order in the House. Let there be order in the House. (*Interruptions*)... Let order be brought in the House. (*Interruptions*)... Please sit down. (*Interruptions*)... Please sit down. (*Interruptions*)... I said, "Please sit down". (*Interruptions*)... Engouh is enough. (*Interruptions*)... I am not permitting. (*Interruptions*)... In the past also when a lady Member belonging to another party was arrested and was taken away and no information was brought, at that time I had adjourned the House on the request of the Members and I had taken upon myself to find out what were her whereabouts. In this case, one of the Members of this House is involved and only keeping that in mind that I did it; otherwise, it is not the job of the Deputy Chairman. My job is to keep the House quiet and let the business go on which I am going to do now.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: This is a separate issue. (*Interruptions*).

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Madam...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: The Chief Minister of Andhra Pradesh... (*Interruptions*). Madam, I request you to direct the Government to provide... (*Interruptions*). She is not allowed to move out of her house. She is not allowed to enter the State Assembly segments. (*Interruptions*).

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): मैडम, सरकार इसलिए चुप है क्योंकि ए. आई. सी. सी. के सैशन के कारण यह दादागिरी की गई ? .... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is State matter. The moment she is contesting an election for the State Assembly, it becomes a State matter. (*Interruptions*).

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: क्या आवश्यकता है .... (व्यवधान) क्योंकि ए. आई. सी. सी. के सैशन के लिए किया जा रहा है, इसलिए सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। .... (व्यवधान)

SHRI MENTAY PADMANABHAM: She is a Member of this House. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed. (*Interruptions*). For me, it is closed. (*Interruptions*).

SHRI MENTAY PADMANABHAM: The State Government has totally failed in providing security to... (*Interruptions*). I seek your protection. You kindly direct the Government to provide... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. (*Interruptions*).

आप बैठिए जरा ..... (व्यवधान)

I want to make it clear. Mr. Narayanasamy, will you please take your seat? When an election process starts in a State Assembly, it is for the State Government and the Election Commission to look after. If a Member of Rajya Sabha, as a Member of Rajya Sabha is stopped in performing his duty, I will definitely take note of it.

But the Member is now becoming a member of the Assembly. It is for the Election Commission and the State Government to look after. (*Interruptions*).

SHRI MENTAY PADMANABHAM : She is still a Member of Rajya Sabha.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : पांच हजार बेगुनाह लोग वहां से हटाए जा चुके हैं, तीन बच्चों की जान चली गई है और संसद् सदस्य वहां धरने पर बैठे हुए हैं और यह सरकार कुछ कह नहीं रही है । होम मिनिस्टर अगर . . . **(व्यवधान)** . . . तीन-तीन राज्य मंत्री हैं . . . (व्यवधान) अगर सरकार संसद् नहीं चलने देना चाहती है . . . **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : पहले इसका फैसला होने दो कि कांग्रेस के सैशन के लिए क्यों गरीबों को . . . **(व्यवधान)** कांग्रेस का सैशन हो . . . **(व्यवधान)** . . यह नहीं होगा ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mathurji, please don't make any allegation. (*Interruptions*). Anything mentioned in this regard, is not going on record. (*Interruptions*). That is enough. There are other matters also. (*Interruptions*).

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal) : It is very unfortunate...

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have permitted... (*Interruptions*). Go back to your seats. Please sit down. (*Interruptions*).

SHRI DIGVIJAY SINGH (Bihar) : The Home Minister should come in the House. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : He is not well.

श्री दर्शन दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : होम मिनिस्टर . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : मैंने आपसे कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है । . . . . **(व्यवधान)**

The Prime Minister is not coming on this issue. (*Interruptions*).

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : Madam, no statement has been made so far about the... (*Interruptions*).

SHRI MURALIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : Madam, I want two minutes. You are not allowing me.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Why are you arguing with me ? You argue with other Members.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : Madam, I just want two minutes. Why are you not allowing me ?... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Why are you arguing with me ?... (*Interruptions*). I have called you and you may speak... (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैडम, कांग्रेस गवर्नमेंट का यह अत्याचार देखते हुए कि ए.आय.सी.सी. सेशन के लिए लोगों को बेघर किया जा रहा है, हम वाक-आउट करते हैं ।

We are walking out

हम लोग बहिर्गमन करते हैं । सरकार के खिलाफ बहिर्गमन करते हैं । कांग्रेस सरकार ने अत्याचार किया है । अपने सेशन के लिए सैकड़ों लोगों को बेघर कर दिया है ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : दो दिन में 42-42 साल से रहने वाले लोग उजड़ गए हैं ।

[इसके पश्चात् कुछ माननीय सदस्य सदन से उठकर चले गए]

SHRI MENTAY PADMANABHAM : They are not able to protect... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Order, please... (*Interruptions*)... It does not look nice... (*Interruptions*)... It is not becoming of you... (*Interruptions*)...

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, सरकार की ओर से क्या बयान आ रहा है, कुछ तो आना चाहिए ?

SHRI MENTAY PADMANABHAM : In protest against the Government's failure to protect a Member of this House, I am

walking out... (*Interruptions*)... At this stage the hon. Member left the Chamber.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Order, please... (*Interruptions*)...

श्री ईश दत्त यादव : ये सरकार के लोग चुप क्यों बैठे हैं ? उनके पास कोई जवाब है कि नहीं ? .. **(व्यवधान)** ..

श्री शंकर दयाल सिंह : आप कहिए कि ढाई बजे सरकार इस विषय पर बयान दे ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है ।

उपसभापति : अगर आप लोग अपनी जगह पर नहीं जाएंगे तो

I will adjourn the House three to four minutes early. Beyond that I cannot do anything. I have asked the Government and Government has promised me that they would come back. Beyond that I cannot do anything and I adjourn the House till 2.30.

The House then adjourned for lunch at fifty-seven minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-two minutes past two of the clock, The Vice-Chairman (Shri V. Narayanasamy) in the Chair.

RESOLUTION SEEKING CONTINUATION OF RESERVATION POLICY IN PROMOTION/APPOINTMENT OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES IN CENTRAL SERVICES

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Shri Satya Prakash Malaviya to continue. He is not here. Shrimati Satya Bahin.

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद, उपसभाध्यक्ष जी, जो आपने मुझे वक्तव्य दिया । चूंकि यह एक ऐसा विषय है जो सामाजिक न्याय से ताल्लुक रखता है, इसलिए मैं सबसे पहले तो सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों के मसीहा बाबा साहब डा. अम्बेडकर जी की स्मृति में प्रणाम करती हूं। माननीय, माननीय श्री गौतम जी ने जो यह अपना निजी विधेयक लाकर सरकार का और सदन का ध्यान आकर्षित किया है, इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं, लेकिन मैं यह भी कहना चाहती हूं कि बड़ा दुख की बात है कि आप भारतीय जनता पार्टी की तरफ से उस दिन बेचारे अकेले थे, जिस दिन उन्होंने इस विधेयक को प्रस्तुत किया था ।

श्री संघप्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : काफी हूं आप सब लोगों के सुझाव जानने के लिए। .... **(व्यवधान)** ...

श्रीमती सत्या बहिन : आज भी इनकी पार्टी के श्री माथुर जी हैं, मैं कहूंगी कि वह अंत तक रहें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : नहीं, आप कहें तो मैं चला जाऊंगा । .... **(व्यवधान)** ...

श्रीमती सत्या बहिन : आपको रहना ही चाहिए । भागना नहीं चाहिए । ... **(व्यवधान)** ... मैं इनकी जहनियत की बात करती हूं, इनकी मानसिकता की बात करती हूं कि उस दिन भी दुर्भाग्य से दो ही सदस्य भारतीय जनता पार्टी की तरफ से उपस्थित थे और दोनों ही दलित वर्ग के थे, जिसमें एक ने उपस्थित किया था और दूसरे ने बोलना था, तीसरा कोई था नहीं । तो यह इनकी मानसिकता का सवाल है ।

माननीय, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि यूं तो सारा विश्व जानता है कि भारतीय जनता पार्टी की मानसिकता क्या है —हिन्दू धर्म के पथ-भ्रष्ट ठेकेदारों की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी के पास है और दलित वर्गों को, जहां पीड़न का सवाल है, जहां अत्याचार का सवाल है, वहां ये लोग अगुआ रहे हैं, चाहे किसी भी सरकार का किसी भी राज्य में शासन हो । मैं